

SET A

Unique Paper Code: **12277505**

Name of the Course: B.A. (Honours) Economics (CBCS)

Name of the Paper: Political Economy – I

Duration: 3 hours

Maximum Marks: 75

Note: Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

उत्तर हिंदी या अंग्रेजी में किसी में भी माध्यम में लिख सकते हैं, परन्तु पूरे प्रश्नपत्र के दौरान एक ही माध्यम होना चाहिए।

Attempt any four questions. There is internal choice in questions 4, 5 and 6.

किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 4, 5 और 6 में विकल्प मौजूद हैं।

1. What does Kalecki mean by “political opposition” to full employment and discuss the reasons for the same. Can you think of a historical situation where such opposition was absent and explain why that was the case?

पूर्ण रोजगार के प्रति “राजनीतिक विरोध” से कलेच्की का क्या अर्थ है और इसके कारणों पर चर्चा करें। क्या आप ऐसी ऐतिहासिक स्थिति के बारे में सोच सकते हैं जहां ऐसा विरोध न हुआ हो और यह समझाएं कि ऐसा क्यों था?

2. Explain the centrality of M-C-M' circuit in capitalism in the context of (a) the manner in which the system organises and disciplines social activities and (b) the internal logic (internal dynamics) of the capitalist system.

पूंजीवाद में एम-सी-एम सर्किट की केंद्रीयता को (ए) जिस तरीके से सामाजिक गतिविधियों को व्यवस्थित और अनुशासित करता है और (बी) पूंजीवादी व्यवस्था के आंतरिक तर्क (आंतरिक गतिशीलता) के संदर्भ में समझाएं।

3. What is the difference between ‘globalization’ today and the globalization in Lenin’s time? Analyze the implications of the current globalization for both the advanced capitalist economies and as well as the third world countries.

लेनिन के समय के ‘वैश्वीकरण’ और आज के वैश्वीकरण में क्या अंतर है? उन्नत पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं और तीसरी दुनिया के देशों दोनों के लिए वर्तमान वैश्वीकरण के प्रभावों का विश्लेषण करें।

- 4 (a) Explain how the 'social relations of production' are an expression of the class structure of a society. Analyse how the social relations of production from being "forms of development of the productive forces turn into their fetters".

OR

(b) Do you think that capitalism is essentially a 'self ordering' system? Why does Heilbroner feel that capital cannot exist even for a day, without the active support of the state?

(क) यह समझाएं कि 'उत्पादन के सामाजिक संबंध' किस प्रकार एक समाज की वर्ग संरचना की अभिव्यक्ति हैं। विश्लेषण करें कि कैसे उत्पादन के सामाजिक संबंध "उत्पादक शक्तियों के विकास के रूपों से उनकी बेड़ियों में बदल जाते हैं"।

अथवा

(ख) क्या आपको लगता है कि पूंजीवाद अनिवार्य रूप से एक 'स्व-व्यवस्थित' प्रणाली है? हेइलब्रोनर को ऐसा क्यों लगता है कि राज्य के सक्रिय समर्थन के बिना पूंजी का अस्तित्व एक दिन के लिए भी मौजूद नहीं रह सकता है?

- 5 (a) Define the value of a commodity and the value of labour power. What is the source of surplus value? What can cause an actual change in the value of labour power? Discuss how the reserve army of labour helps to restrict the value of labour power to the costs of reproduction.

OR

(b) Critically discuss the standard views of the transition from feudalism to capitalism. Do you think that such positions miss out the essential features of the actual genesis of capitalism? Discuss.

(क) एक वस्तु के मूल्य और श्रम शक्ति के मूल्य को परिभाषित करें। अधिशेष मूल्य का स्रोत क्या है? श्रम शक्ति के मूल्य में वास्तविक परिवर्तन का क्या कारण हो सकता है? चर्चा करें कि किस प्रकार श्रम की आरक्षित सेना श्रम शक्ति के मूल्य को प्रजनन की लागत तक सीमित रखने में मदद करती है।

अथवा

(ख) सामंतवाद से पूंजीवाद में संक्रमण के मानक विचारों की आलोचनात्मक चर्चा करें। क्या आपको लगता है कि इस तरह का दृष्टिकोण पूंजीवाद की वास्तविक उत्पत्ति की मूल विशेषताओं को अनदेखा करता है? चर्चा करें।

- 6 (a) Explain the different types of economic crisis under capitalism. Can effective state intervention eliminate the occurrence of crisis in capitalism?

OR

(b) "The problem that is usually being visualised is how capitalism administers existing structures, whereas the relevant problem is how it creates and destroys them." Elucidate the above statement of Schumpeter in the context of his critique of neoclassical economic theory and his subsequent defence of monopoly capitalism.

(क) पूंजीवाद के विभिन्न प्रकार के आर्थिक संकट की व्याख्या करें। क्या प्रभावी राज्य हस्तक्षेप पूंजीवाद में संकट की घटना को समाप्त कर सकता है?

अथवा

(ख) "आमतौर पर जिस समस्या की कल्पना की जा रही है वह यह है कि पूंजीवाद मौजूदा संरचनाओं का प्रबंधन कैसे करता है, जबकि प्रासंगिक समस्या यह है कि यह उन्हें कैसे बनाता और नष्ट करता है।" शुम्पीटर के उपरोक्त कथन को उनके द्वारा नवशास्त्रीय आर्थिक सिद्धांत की आलोचना और उसके बाद के एकाधिकार पूंजीवाद के बचाव के संदर्भ में स्पष्ट करें।